

आया हूँ तेरे दर पे, जज्बात को लेकर SSSS

होगी मुराद पूरी हर बात को लेकर SSSS

हर बात को लेकर SSSS

इतना तो करम कर दो, गम और सह सकूँ SSS

भूखें गरीब नंगे दिल उनको दे सकूँ SSSS

ये रो रहे तकदीर पर दिन रात को लेकर SSSS

होगी मुराद-----आया हूँ-----

दो वक्त की खुराक के लाले पड़े हुये SSSS

देखे जो पैर इनके, हाले पड़े हुये SSSS

निकले हैं अशक मेरे, इस बात को लेकर SSSS

होगी मुराद-----आया हूँ-----



अब मर्क़ तेरे दरवार में किस बात की कमी sss

देते गवाही आज भी, ये आसमा जमी sss

कोई जी रहा है अब तलक गमे रात को लेकर sss

होगी मुराद----- आया हूँ-----

जो आया तेरे सामने, बिन माँगे या गया sss

हँसता हुआ चेहरा "श्री बाबा श्री" मर्क़ का पा गया sss

निकला है चाँद आज, शबे रात को लेकर sss

होगी मुराद----- आया हूँ-----